

CLASSES ALL JUDICIAL EXAMS

Part 04

Evidence Act, 1872

साक्ष्य अधिनियम

Interpretation Clause निर्वचन खण्ड

#Judiciary

By Poonam Sha

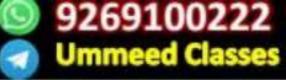


WELCOME UMINIED CLASSES

Like Video and Subscribe our channel





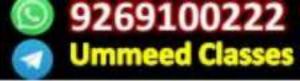


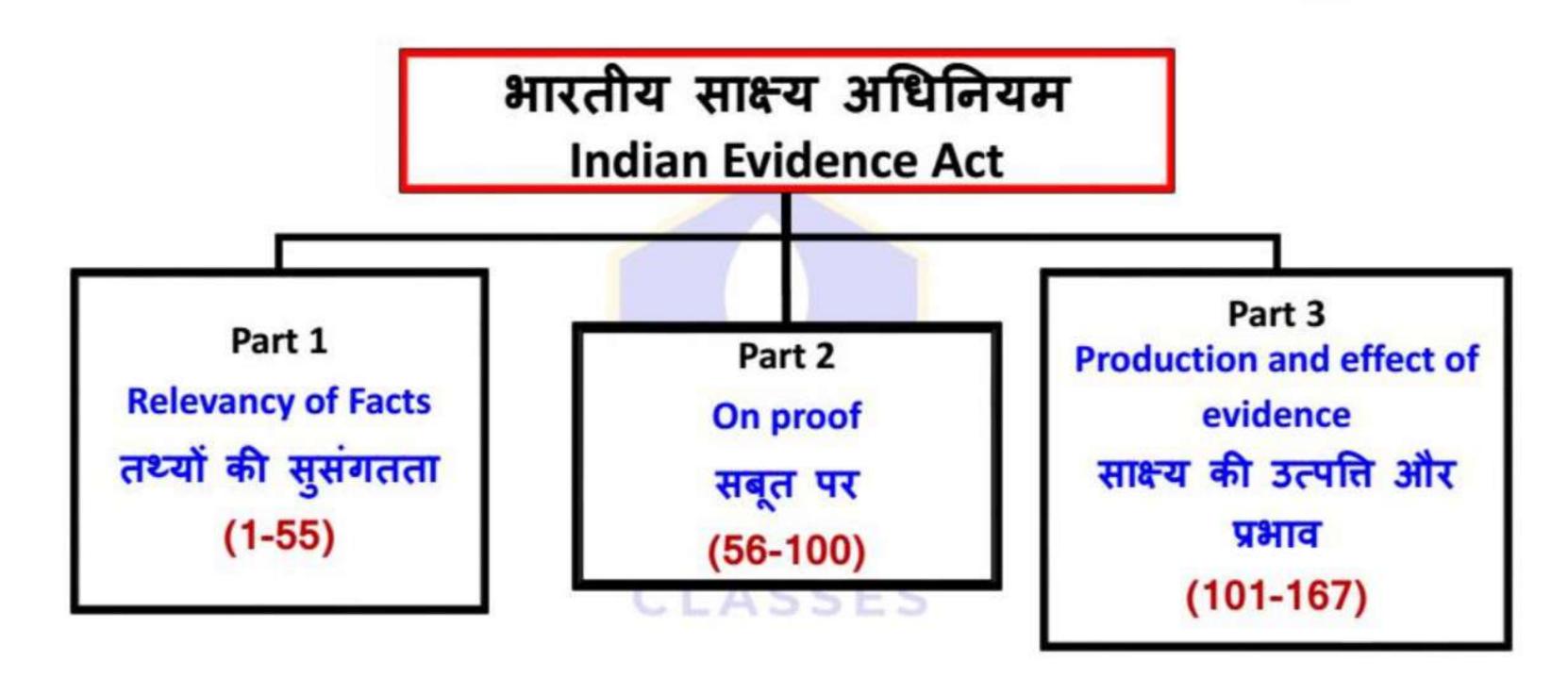
भारतीय साक्ष्य अधिनियम Indian Evidence act 1872

- 1. प्रारूप तैयार किया Drafted by Sir James Fitz Stephen
- 2. (1872 का अधिनियम संख्या 1) Act no. 1 of 1872
- 3. अधिनियमित (Enacted) -15 March, 1872
- 4. प्रवर्तन Came into force on 1st September 1872
- 5. समवर्ती सूची का विषय Subjects of concurrent list - प्रविष्टि 12 Entry 12

Total: 3 parts, 11 Chapters, 167 Sections







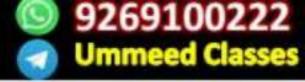




Part 1 भाग 1 तथ्यों की सुसंगतता (Relevancy of facts) (1-55)	Chapter 1 अध्याय 1	Preliminary प्रारम्भिक (Sections 1-4)	
	Chapter 2 अध्याय 2	Of the relevancy of facts तथ्यों की सुसंगति का वर्णन (धारा 5-55)	

भाग 2 Part II सब्त पर (On proof) (56-100)	Chapter 3 अध्याय 3	Facts which need not to be proved ऐसे तथ्य जिनको साबित करने की आवश्यकता नहीं होती (Sections 56-58)
	अध्याय 4 Chapter 4	मौखिक साक्ष्य Of oral evidence (Sections 59-60)
	अध्याय 5 Chapter 5.	दस्तावेजी साक्ष्य Of documentary evidence (Sections 61-90A)
	अध्याय 6 Chapter 6	Of the exclusion of oral by documentary evidence (Sections 91 - 100) दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा मौखिक साक्ष्य का अपवर्जन का नियम

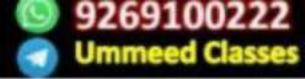


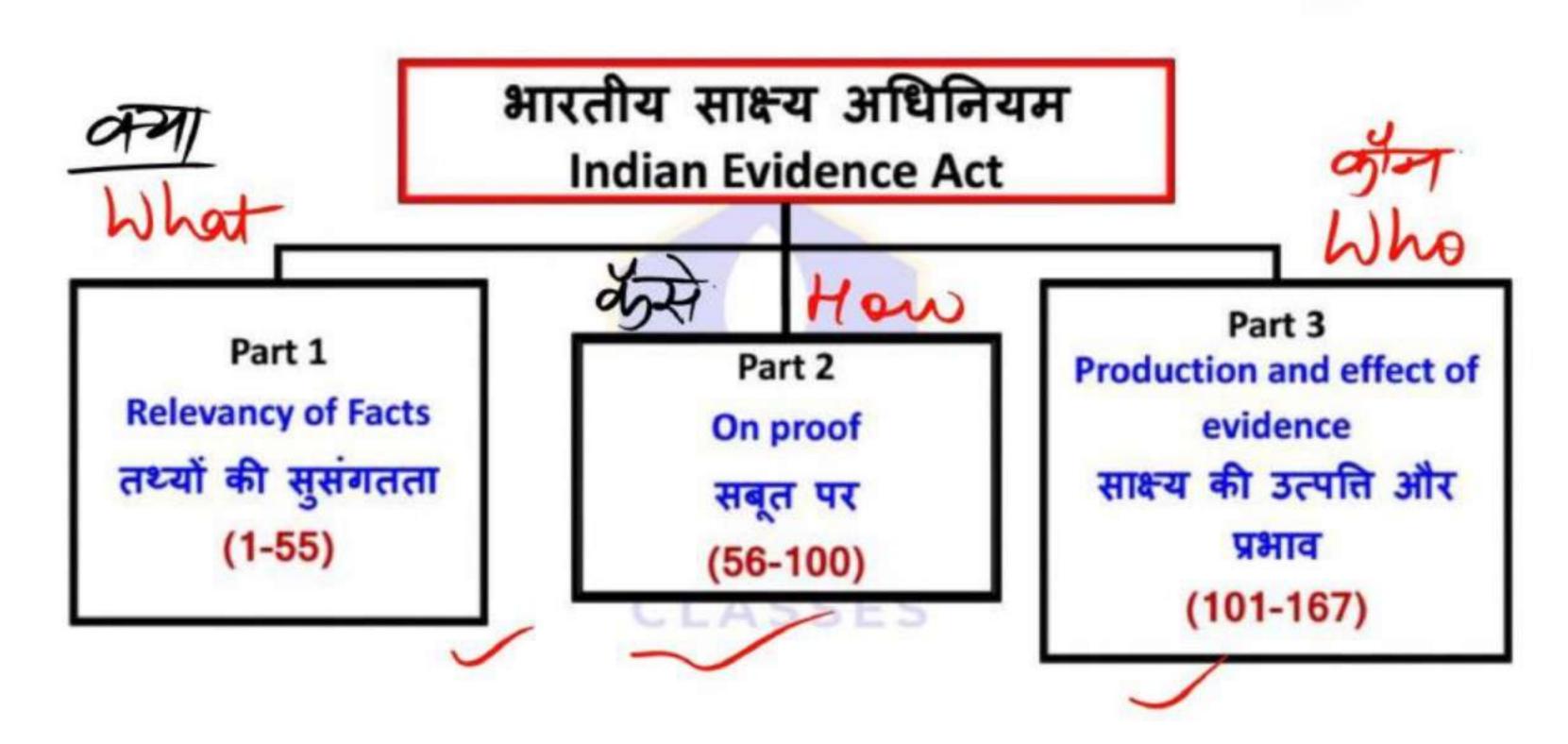


भाग 3 Part III साक्ष्य की उत्पत्ति और प्रभाव (Production and effect of evidence) (101-167)	अध्याय 7	सबूत का भार एवं उपधारणा Of the burden of proof
	Chapter 7	(Sections 101- 114 A)
	अध्याय 8	विबन्ध के विषय में (धारा 115-117)
	Chapter 8	Estoppel (Sections 115-117)
	Chapter 9	सक्षम गवाहीं के विषय में Of witnesses
	अध्याय 9	(Sections 118-134)
	Chapter 10	गवाहों का परीक्षण (धारा 135-166)
	अध्याय 10	Of the examination of witnesses (Sections 135 -166)
	अध्याय 11	साक्ष्य के अनुचित ग्रहण एवं अग्रहण के विषय में
	Chapter 11	Of the improper admission and rejection of evidence
	A SHARL TO SAFE	(Section 167)

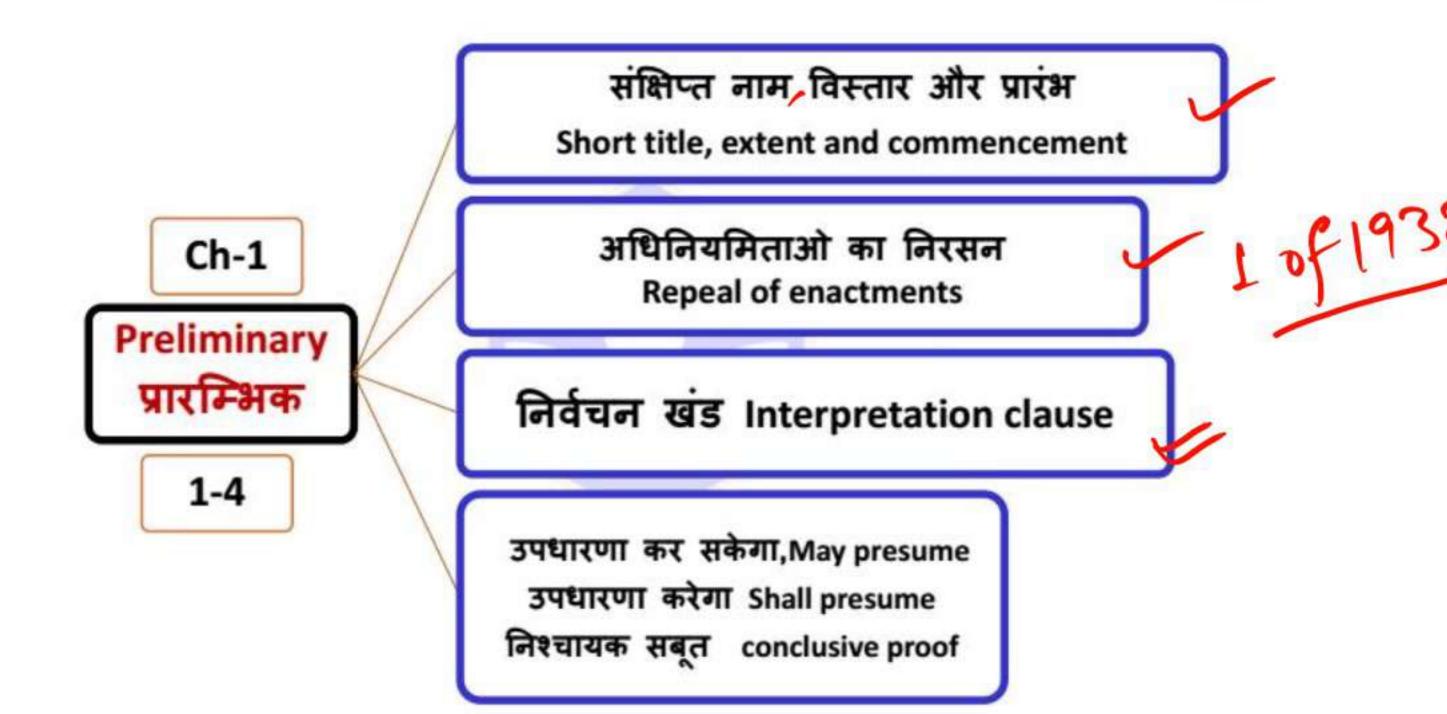
UMMEED CLASSES





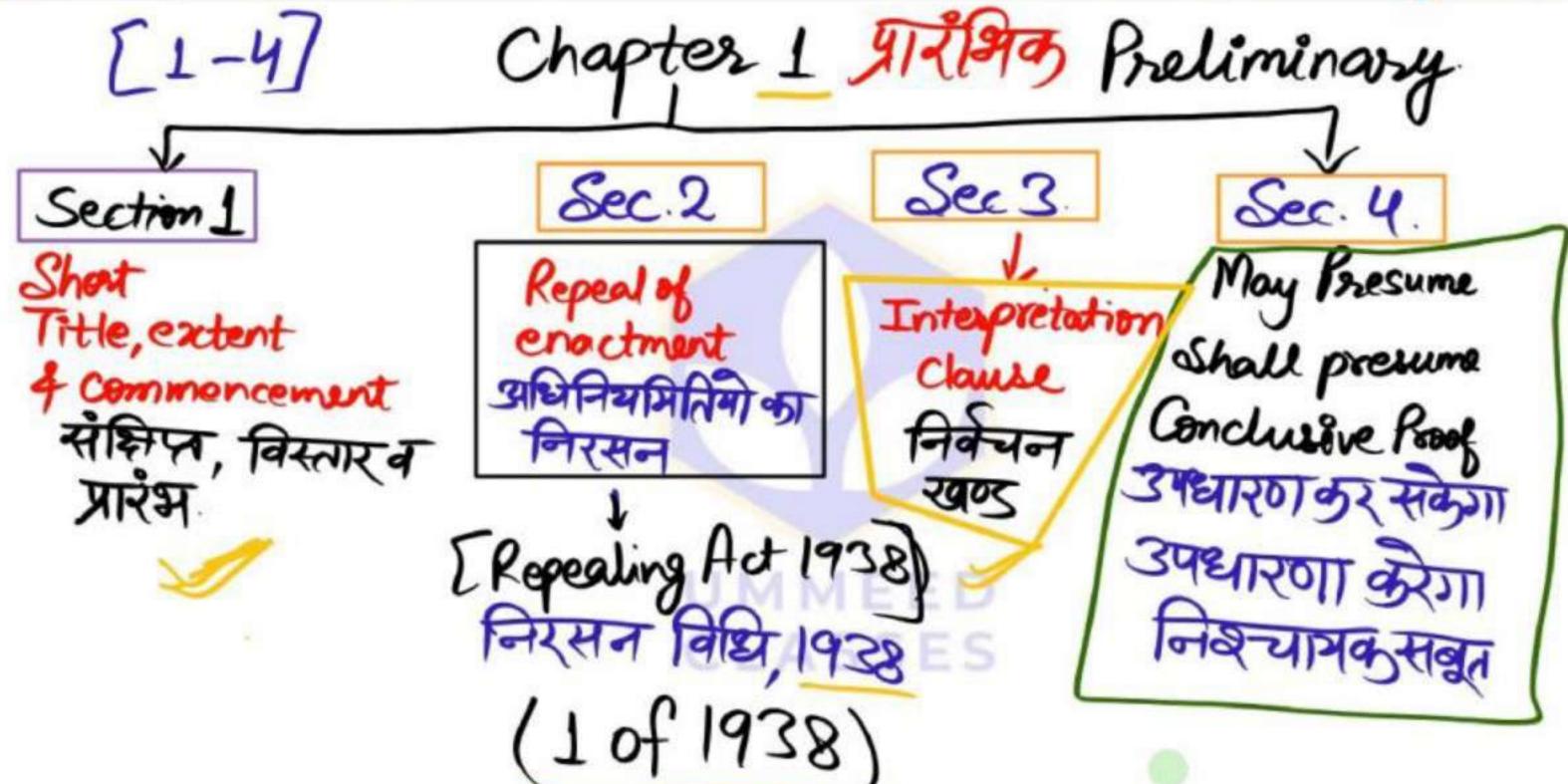










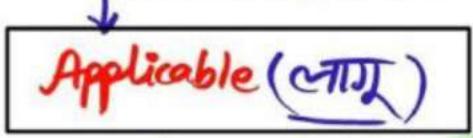








S-1 Short title, extent & commencement IEA, 1872 M. 41.35 1872 7123T



- > Whole of India (-संप्रणेभारत)
 - (J&K Reorganisation Act 2019)
- > all judicial proceedings
- > court martial

Non-Appliable >

- > Army Act
- > Navail Discipline Act
- -> Indian Navy (Disc) Act
- > Air force Act
 > proceeding before Arbitratory
 S-89 CPC

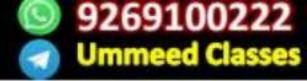




Interpretation Clause निर्वचन खंड







Court "including
 all Judges and Magistrates,
 and all persons, except arbitrators,
 legally authorized to take evidence.

न्यायालय" शब्द के अन्तर्गत सभी न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट तथा मध्यस्थों के सिवाय साक्ष्य लेने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत सभी व्यक्ति आते हैं।

X aubitrators HEUREY





"Fact" means and include.- "तथ्य" से अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत आती हैं-

- (1) anything, state of things, or relation of things, capable of being perceived by the senses; ऐसी कोई वस्तु, वस्तुओं की अवस्था, या वस्तुओं का संबंध जो इंद्रियों द्वारा बोधगम्य हो;
- (2) any mental condition of which any person is conscious." कोई मानसिक दशा, जिसका भान किसी व्यक्ति को हो।

Illustrations दृष्टांत

- (a) That there are certain objects arranged in a certain order in a certain place, is a fact. यह कि अमुक स्थान में अमुक क्रम से अमुक पदार्थ व्यवस्थित है, एक तथ्य है।
- (b) That a man heard or saw something, is a fact. यह कि किसी मनुष्य ने कुछ सुना या देखा, एक तथ्य है।
- (c) That a man said certain words, is a fact. यह कि किसी मनुष्य ने अमुक शब्द कहे, एक तथ्य है।
- (d) That a man holds a certain opinion, has a certain intention, acts in good faith or fraudulently or uses a particular word in a particular sense, or is or was at a specified time conscious of a particular sensation, is a fact. यह कि कोई मनुष्य अमुक राय रखता है, अमुक आशय रखता है, सद्भावपूर्वक या कपटपूर्वक कार्य करता है, या किसी विशिष्ट शब्द को विशिष्ट भाव में प्रयोग करता है, या उसे किसी विशिष्ट संवेदना का भान है या किसी विनिर्दिष्ट समय में था, एक तथ्य है।
- (e) That a man has a certain reputation, is a fact. यह कि किसी मनुष्य की अमुक ख्याति है, एक तथ्य है।

"Relevant": One fact is said to be relevant to another when the one is connected with the other in any of the ways referred to in the provisions of this Act relating to the relevancy of facts".

In other words, one fact is relevant to another fact, if it is connected in any way as described in sections 6 to 55. Section 5 states that 'evidence' may be given of 'facts in issue' and 'relevant facts' and the Act also defines 'facts in issue'. The Act also defines 'evidence' as oral and documentary.

सुसंगत" -- एक तथ्य दूसरे तथ्य से सुसंगत कहा जाता है, जबिक तथ्यों की सुसंगति से संबंधित इस अधिनियम के उपबंधों में निर्दिष्ट प्रकारों में से किसी भी प्रकार से वह तथ्य उस दूसरे तथ्य से संसक्त हो।

दूसरे शब्दों में, एक तथ्य दूसरे तथ्य से प्रासंगिक है, यदि यह धारा 6 से 55 में वर्णित किसी भी तरह से जुड़ा हुआ है। धारा 5 में कहा गया है कि 'साक्ष्य' 'विषयक तथ्यों' और 'प्रासंगिक तथ्यों' का दिया जा सकता है और अधिनियम 'मुद्दे में तथ्य' को भी परिभाषित करता है। अधिनियम 'साक्ष्य' को मौखिक और दस्तावेजी के रूप में भी परिभाषित करता है।







"Facts in issue" — The expression "facts in issue" means and includes—

any fact from which, either by itself or in connection with other facts, the existence, non-existence, nature or extent of any right, liability, or disability, asserted or denied in any suit or proceeding, necessarily follows.

Explanation — Whenever, under the provisions of the law for the time being in force relating to Civil Procedure, any Court records an issue of fact, the fact to be asserted or denied in the answer to such issue is a fact in issue.

Illustrations

A is accused of the murder of B.

At his trial the following facts may be in issue :-

- That A caused B's death;
- That A intended to cause B's death;
- That A had received grave and sudden provocation from B;
- That A, at the time of doing the act which caused B's death, was, by reason of unsoundness of mind, incapable of knowing its nature.

विवाधक तथ्य" से अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत आता है— ऐसा कोई भी तथ्य जिस अकेले ही से, या अन्य तथ्यों के संसर्ग में, किसी ऐसे अधिकार, दायित्व या निर्योग्यता के, जिसका किसी वाद या कार्यवाही में प्राख्यान या प्रत्याख्यान किया गया है, अस्तित्व, अनस्तित्व, प्रकृति या विस्तार की उत्पत्ति अवश्यमेव होती है।

स्पष्टीकरण -- जब कभी कोई न्यायालय विवाद्यक तथ्य को सिविल प्रक्रिया से संबंधित किसी तत्समय प्रवृत विधि के उपबंधों के अधीन अभिलिखित करता है, तब ऐसे विवाद्यक के उत्तर में जिस तथ्य का प्राख्यान या प्रत्याख्यान किया जाना है, वह विवाद्यक तथ्य है।

हष्टात

ख की हत्या का क अभियुक्त है। उसके विचारण में निम्नलिखित तथ्य विवादय हो सकते हैं:-

• यह कि क ने ख की मृत्य कारित की,

- यह कि क का आशय ख की मृत्यु कारित करने का था,
- · यह कि क को ख से गंभीर और अचानक प्रकोपन मिला था,
- 455 यह कि ख की मृत्यु कारित करने का कार्य करते समय क चित्रविकृति के कारण उस कार्य की प्रकृति जानने में असमर्थ था।



हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकमनायें

रणनीति अब सभी सरकारी नौकरी के लिए

उट्टीन हिन्दी स्थाएएपा

Offer प्रथम 50 students के लिए

संपूर्ण हिन्दी व्याकरण की तैयारी एक ही Subscription से करें

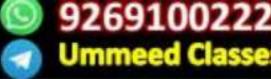
Live Batch

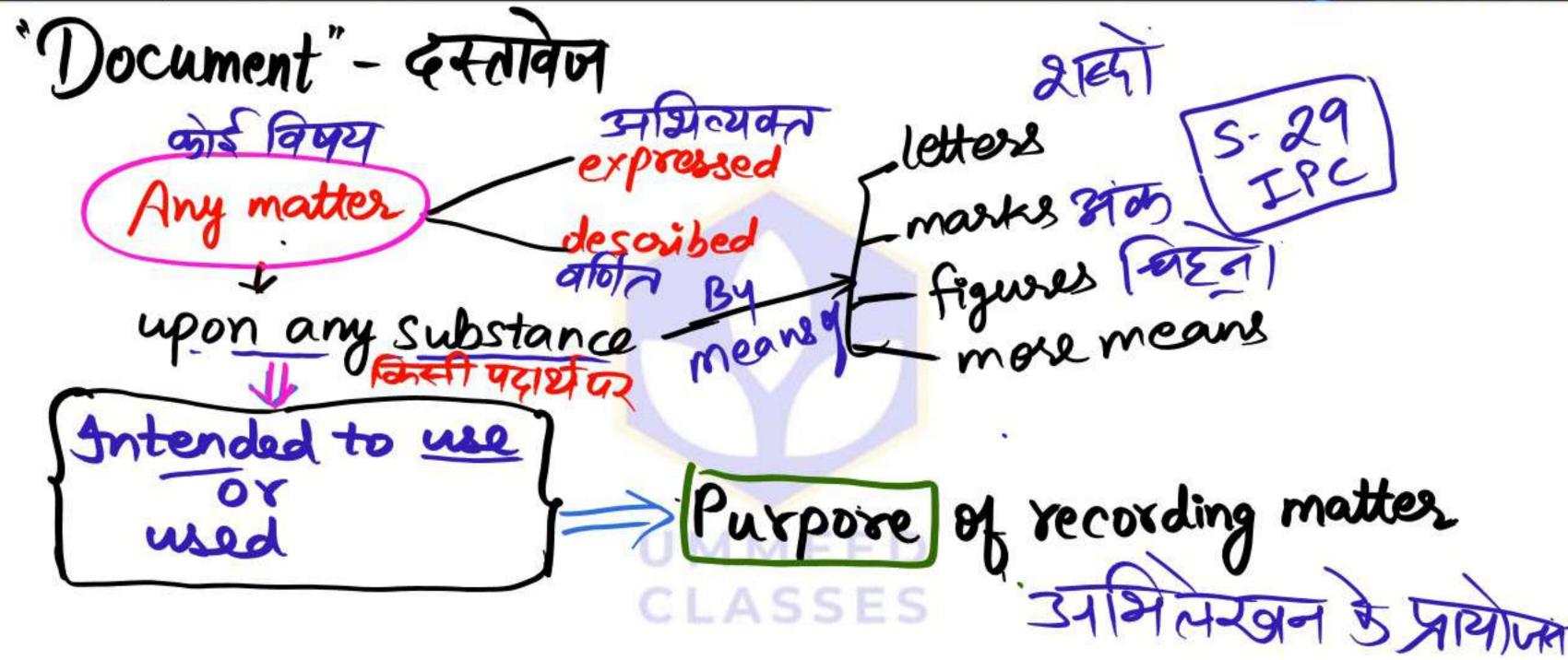
Validity 1 Year

मात्र 1.25/- प्रति

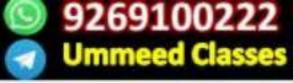






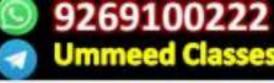


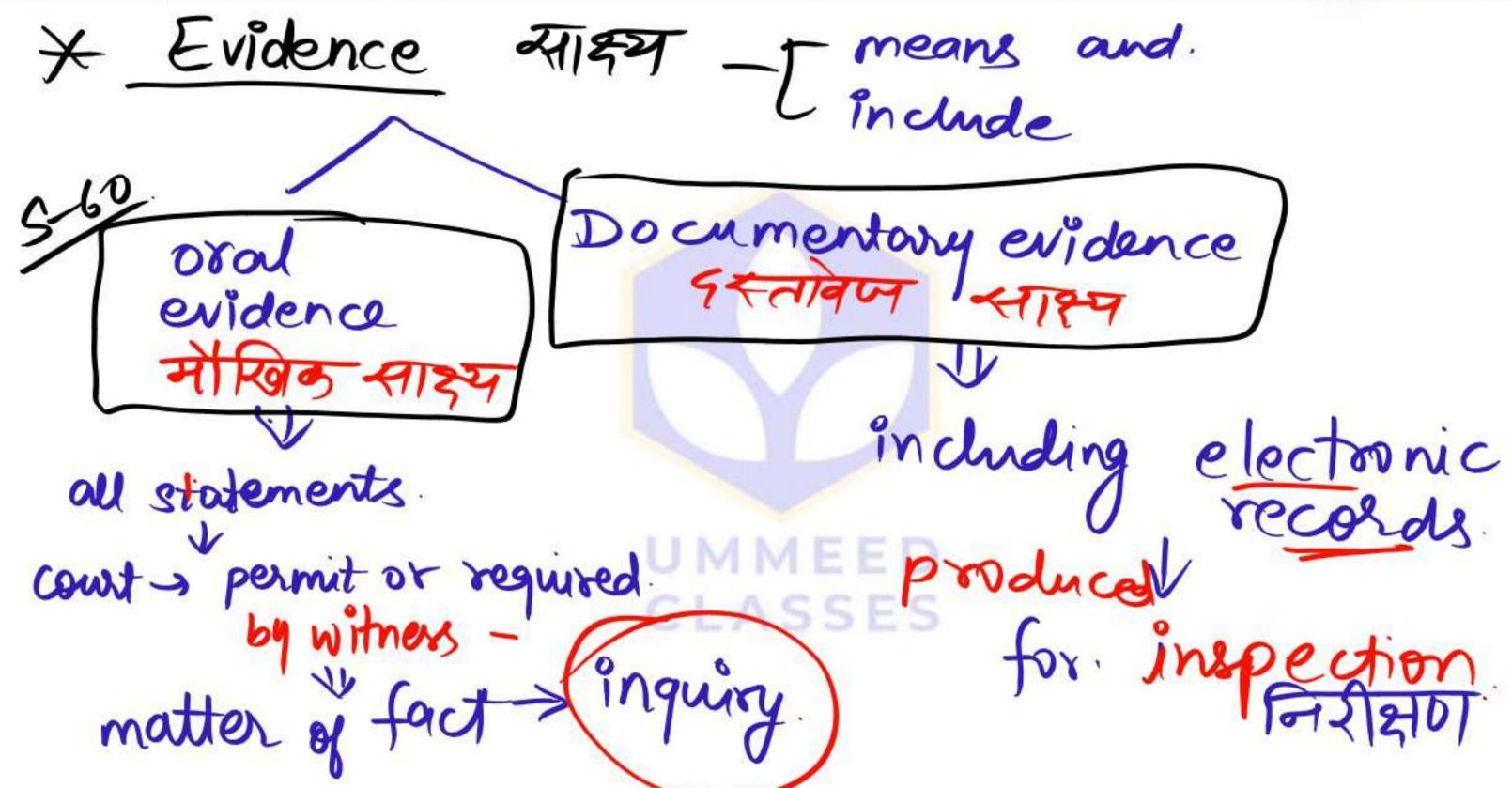




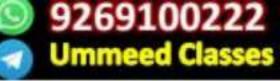






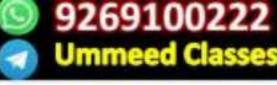


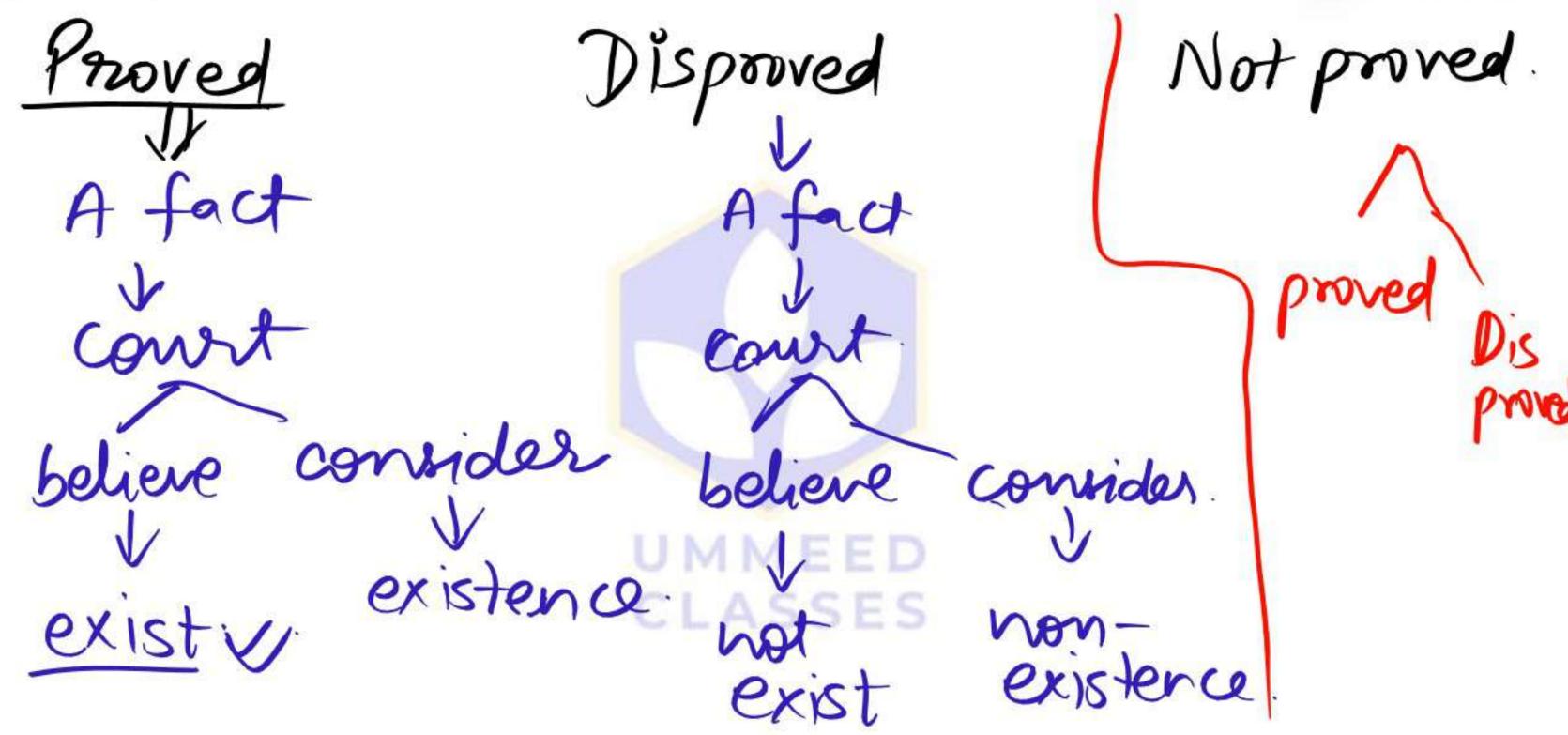




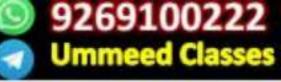


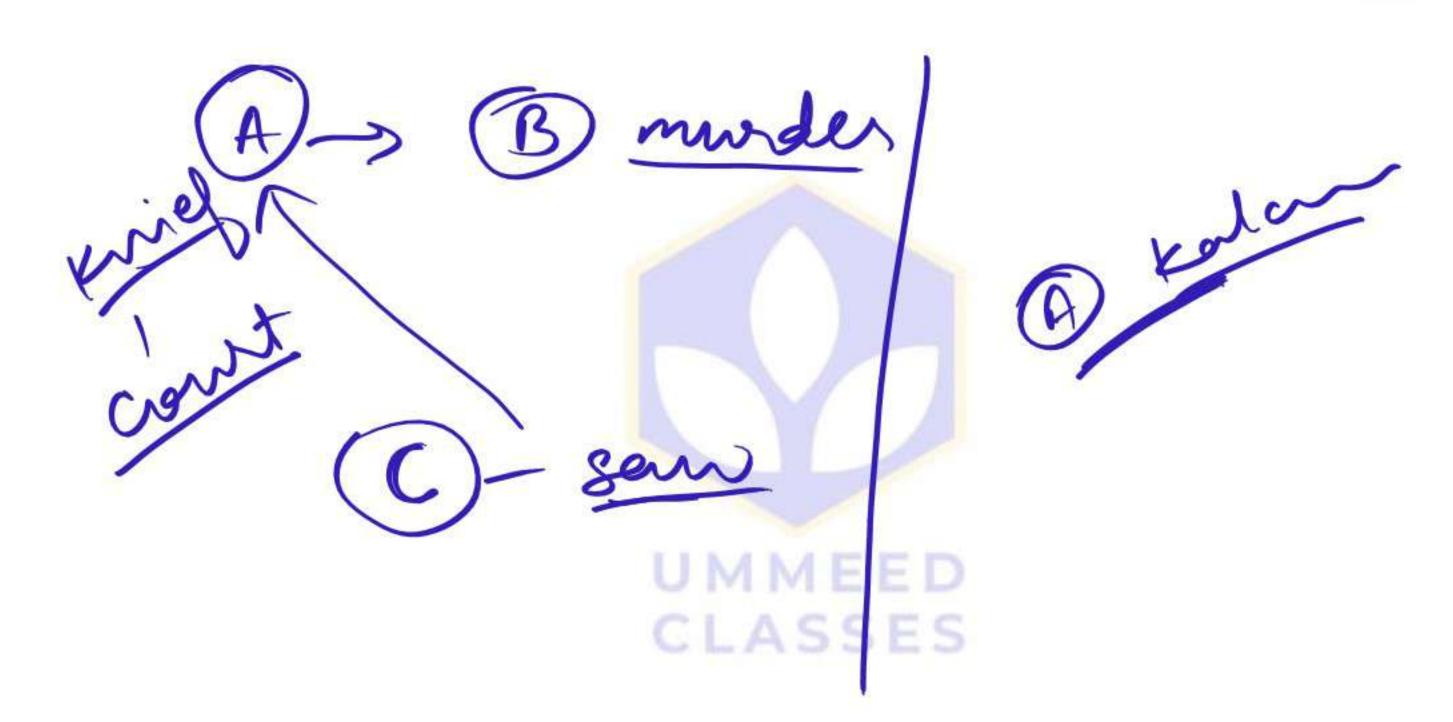




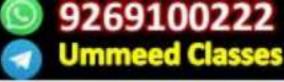










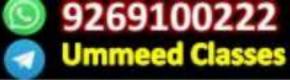


India HKN > whole of India.

व्यंपूर्ण भगरत

J&K. Reorganization Act 2019.

31/10/2019 CLASSES



Electronic terms





